

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI K BRAHMANANDA REDDY: I introduce the Bill.

12.19½ hrs.

# MATTER UNDER RULE 377

## DELETION OF "PEOPLE'S MARCH" TO PARLIAMENT OF FROM INDIAN NEWS REVIEW

MR SPEAKER. Now we take up the next item—Dr. Laxmi Narayan Pandeya.

SHRI PHOOL CHAND VERMA (Ujjain) . . .

MR SPEAKER: I am not calling you Unless regular permission is given, you cannot get up

Dr Pandeya

डा० लक्ष्मी नारायण पाण्डेय  
(मदसौर) अध्यक्ष जी, सरकार द्वारा  
आकाशवाणी और टेलीविजन तथा वृत्त  
चित्रों का अपने हित में निरन्तर उपयोग  
किया जा रहा है, एक तरह से दलीय हित का  
साधन बनाया जा रहा है। इसी लिए  
बहुत समय से मांग की जाती रही है कि  
आकाशवाणी तथा टेलीविजन जैसे केन्द्रों को  
पब्लिक कारपोरेशन में बदल दिया जाय।  
हाल ही की घटना है, जिससे सरकार का  
आन्तर का इरादा और दुर्भास स्पष्ट होता है  
कि किस तरह से वह अपने हित में उपयोग  
कर रही है। फ़िल्मज डिवीजन के नागपुर  
कार्यालय से एक पत्र निकला है जिसमें कहा  
गया है कि अभी हाल में 6 मार्च को जो

जनता मार्च हुआ था, उस भाग को वृत्तचित्र  
में से बाहर निकाल दिया जाय। मैं उस पत्र  
को पढ़ कर सुनाता हूँ—

Ministry of Information and Broadcast-  
ing Films Division, Nagpur

No N B/H&RT/75

Nagpur dated 2nd April 1975

To Ms Talkies

Sub Deletion of Item No 2 News  
in brief covering 'March to  
Parliament' (measuring 2255  
mtrs) from INR 1378

Dear Sir,

The film INR 1378 has been supplied  
for your exhibition in the week in 13/  
16-4 1975

Immediately on receipt of this letter  
you are requested to delete the above  
item from the Newsreel and send us  
the deleted portion by Registered  
post/parcel Please treat this as most  
important and very urgent

The remaining portion of INR 1378  
should be routed to the next exhibi-  
tion on the date as per standing  
routine instructions.

We once again advise you to do the  
needful per return of post

Sd/ Branch Manager  
Films Division,  
Nagpur.

## [श्री ० लक्ष्मी नारायण वाल्हेय]

अध्यक्ष महोदय, मैंने इस वृत्त चित्र का स्वयं देखा है जिस में वह भाग शामिल था। इस में जय प्रकाश जी के नेतृत्व में हुए ६ मार्च का प्रदर्शन था तथा वहाँ आप का जो ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा हमारे उपराष्ट्रपति श्री जत्ती को जो ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा जनसमुच्चय को चलते हुए दिखाया गया था -- इस सब को उसमें से निकाल दिया गया है। मुझे स्मरण है अध्यक्ष जी, जब कांग्रेस की रेली हुई थी तो उस का बड़ा मम्बा चौड़ा वृत्त चित्र बनाया गया था, उस को दिखाने में सरकार को कोई एतराज नहीं था लेकिन जनता की भावनाओं को प्रदर्शित करने वाले उस भाग को दिखाने में सरकार को एतराज है, केवल उसी भाग को निकाल कर शेष भाग उस में रहने दिया गया है।

इस लिये मैं माननीय मंत्री जी से चाहूंगा कि वे इसके बारे में खेद प्रकट करें और इस का स्पष्टीकरण करें कि इस प्रकार के जनता की भावनाओं को प्रकट करने वाले प्रदर्शन को उस वृत्त चित्र से क्यों निकाला गया और जो भाग उस में से निकाला गया है उस को फिर से जोड़ा जाय।

यहाँ पर बार बार मांग की जाती है कि आकाशवाणी और टेलीविजन आदि को पब्लिक कारपोरेशन में बदला जाय। चन्दा कमटी ने भी इसके बारे में सिफारिश की थी, मैं चाहता हूँ कि सरकार तुरन्त इस पर विचार कर के कार्यवाही करे।

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI I. K. GUJRAL): Mr. Speaker, Sir, for over a year I have been concerned about induction of freshness of news in our newsreels. Our difficulty is as follows:

Because of the vast spread of this country and the difficulties of transport of newsreel material by air from all centres it takes us about a week to assemble the material and to release it so that a number of hard news items which feature in the newsreel are already a week old on the date on which they are released. The newsreel then starts circulating in the country and even though we make over a 100 copies of each edition of the newsreel, a particular newsreel completes its full run in the country in about 5 months. But that time, the news element in it is already stale and many of the items have lost their topicality. I therefore, had a meeting in the Films Division in Bombay some time back and advised the Newsreel Section of the Films Division to get away from hard news in newsreels and concentrate on coverage of magazine value. This meant that we should stop competing with newspapers, radio or television and cover development items in depth which would not be outdated during the entire period of five months of its run. Early this month the Films Division were reminded again of the earlier instructions of the Minister and it was pointed out to them that some of the latest editions of the newsreels did not follow the approach which I had suggested.

The hon. House will kindly recall that the event took place on 6th March and the news reel was in circulation since the 14th of March. Naturally, by this time, it had lost its relevance and news value.

There was only one slight confusion. While instructions were given that all the newsreels should be withdrawn according to the statement made by him—subject to my verification only one item was attended to.

This is not the correct approach. The correct approach is that we should see to it that the news reel and the news items are these which are not stale but which have news value. I have nothing more to add excepting that my hon. friend must keep in mind the fact that there was no other intention. He should have appreciated the fact that we include only those news in the news reels and they have been circulated. They were there for three weeks. It is not as if something wrong was done.

श्री कूल चन्द वर्मा (उज्जैन): अध्यक्ष जी, आस्ट्रेलिया की जो महिला क्रिकेट टीम आई थी, उस के टेस्ट मैच का चित्र उस में रहने दिया गया है, जो कि इस 6 मार्च के आयोजन के पहले का है, उस का नहीं काटा गया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (गालियर): अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय का यह बयान संतोषजनक नहीं है। मंत्री महोदय लिपा-पोती कर रहे हैं यदि ताजे समाचार की बात है तो जिन्होंने मार्च नहीं देखा है उनको डाक्यूमेंट्री में दिखाने में क्या कठिनाई थी।

श्री आई० के० गुजराल : वह डाक्यूमेंट्री नहीं है, यह न्यूज-रील है। न्यूज-रील और डाक्यूमेंट्री में फर्क होता है—इस बात को आप मानेंगे जिस चीज की न्यूज-वैल्यू नहीं रहती है उस को दिखाने में क्या लाभ है। जैसे यूगोस्लाविया के वाइस-प्रेसिडेंट आये या जैसे आप का अधिवेशन हुआ था वे भी वह उसमें है, लेकिन उन की न्यूज-वैल्यू नहीं है.....

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या वह भी निकाल दिया है ?

श्री आई० के० गुजराल : नहीं, वह दिखाया जा रही है आप इस के लिये मुझ्वा भदा करें लेकिन बेसिक बात यह है कि न्यूज-रील की न्यूज वैल्यू होनी चाहिये जिन देशों में न्यूज-रील दिखाई जाती है, वहां दो तीन दिनों में लोगों के सामने आ जाती है, इस लिये उन का रेलैबंस रहता है। लेकिन हमारे यहां दो तीन महीने पुगनी दिखाई जाय तो उस का रेलैबंस नहीं होता है। इसी लिए हमने पालीसी बदलने के लिये कहा था कि वे न्यूज न दिखाई जाय जिनकी डेटेड वैल्यू नहीं है।

कई ऐसे मामले हैं—जैसे एग्रीकल्चर है, एजुकेशन है, या पोलिटिक्स के मुताबिक जिनकी डेटेड वैल्यू न हो उनको न रखा जाए। ऐसी सभी न्यूज को न रखा जाय ऐसी बात नहीं है किसी एक या दो को न रखा जाय।

MR. SPEAKER: This will not go on record. I have not called him.

आप बिना इजाजत के खड़े हो जाते हैं।

डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, इस पत्र से स्पष्ट है कि यह रील 6-4-75 से दिखाई जाने वाली थी, जब कि मंत्री महोदय कह रहे थे कि महीना भर पहले से दिखाई जा रही है।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने 6 अप्रैल के लिये ही कहा था।

श्री शरद दाबड़ (जबलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैंने इस न्यूज रील को देखा है। मुझे एक सिनेमाघर के मालिक ने बताया कि इस फिल्म में से उस भाग को काट कर निकाला जा रहा है। इसको निकालने से दो बातें स्पष्ट होती हैं—इस सरकार का, कांग्रेस सरकार का जय प्रकाश जी के साथ मतभेद नहीं है, बल्कि अब तो मतभेद हो गया है। उनके साथ जो सलूक चल रहा है

[श्री सरदार धारद]

वह-बन-वेब-तब-बन-रहा है। जो कोर्जन उस-बन-बिज-के-निकास-गवा है, उससे साफ-बाहिर-होता है कि मान-कमता की भावना की-वहीं-विचित्रता-काहते हैं, यहां तक कि वह मान-किसमें-घाप-को-ही-ज्ञापन-दिमा-गया-बा, वह भी-निकास-दिमा-गवा है इसलिये मैं-बाहता हूं कि सरकार यह-सत-स्पष्ट-करे कि वह-रील-विकास-कर-क्यों-बाहिर-की? और-बिज-प्रधिकारी की-गलती से-होता-हुआ-उत्तरे-विभाग-अभी-तक-क्या-कार्यवाही-हुई, या-झागे-कोई-कार्यवाही-उत्तरे-खिलाफ-घाप-करेंगे, यह-मैं-जानना-बाहता हूं।

श्री छांद० के० गुजराल : बुनियादी बात यह नहीं है कि वह फिल्म कब दिखाई जाएगी और कब नहीं दिखाई गई। सवाल यह है कि वह फिल्म उम-बक्त-के-लिये-भी-जिम-बक्त-कि-उस-की-न्यूज-बैन्सू-भी। और-वह-बैन्सू-तीन, चार-सप्ताह-बाद-नहीं-रहती-हैं। एक-दिन-पुरानी-खबर-दूसरे-दिन-पडी-नहीं-जाती है, और 3, 4 दिन-बाद-उसकी-कोई-बैन्सू-ही-नहीं-है। स्टेल-न्यूज-की-कोई-बैन्सू-नहीं-है। गलती-यह-हुई-कि-सारी-न्यूज-रील-को-बिद्दा-नहीं-किया-गया-जब-कि-इन्टरगनम-सारी-की-सारी-न्यूज-रील-को-बिद्दा-करने-के-ये।

श्री सरदार धारद : उस-प्रधिकारी-के-खिलाफ-घाप-ने-कोई-कार्यवाही-क्यों-नहीं-की?

SHRI I. K. GUJRAL: My hon. friend is new. But, he is very intelligent. Let him also understand that we also understand things. The main point is that, instructions were that only news reels which do not have relevance, in the news value sense, should be withdrawn. If we had any motive, naturally, we would not have continued with the showing of the Jan Sangh Session. They did not withdraw according to the instructions. The instructions were to withdraw the whole thing.

MR. SPEAKER: We will now take up discussion on the Demand for Grants in respect of the Ministry of Agriculture and Irrigation.

# RE. CLOSURE OF INDUSTRIES IN KANPUR DUE TO POWER SHORTAGE

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): Sir, I want to make a submission.

MR. SPEAKER: Not now.

SHRI S. M. BANERJEE: Sir, you asked me to make it afterwards.

MR. SPEAKER: Don't do it every time.

13.32 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair].

SHRI S. M. BANERJEE: Mr. Deputy-speaker, Sir, I am raising a very serious matter. You are aware that from today, for eight days, in Kanpur, all the industries have been closed because of lack of power. Sir, because of this, more than one lakh of industrial workers are on the streets. Sir, this concerns the Central Government and they should supply power to the State Government. There is power shortage there. That is why this situation has arisen. All the industrial units have been closed. This has resulted in an extra-ordinary situation. I would request you ask the Minister to make a statement.

13.33 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1975-76—  
contd.

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Netwarial Patel. I have a letter from your chief Whip again reiterating his request that Members of the Congress Party may not be given more than ten minutes in view of the fact that there is a large number of Members who want to speak. This is the only thing I wanted to bring to your notice.